वहां से मैच पलट गयाः वकार यूनिस

मुझे लगता है कि उन्होंने कम गेंदों में 55 तकरीबन रन बना लिए थे। सईद अनवर भी शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे। हमने अपना पहला मैच जब खोया तब टीम का स्कोर 10 ओवरों में 85–84 था। हम आगे बढ़ रहे थे, लेकिन तभी हमने अनवर का विकेट खो दिया और फिर सोहेल आउट हो गए। वहां से मैच पलट गया।

वर्ल्ड कप-1996 में आमिर सोहेल के व्यवहार से हैरान थे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनिस ने कहा है कि वह 1996 विश्व कप में भारत के खिलाफ खेले गए मैच में आमिर सोहेल का व्यवहार देखकर हैरान रह गए थे। भारत ने बेंगलुरू में खेले इस मैच में पाकिस्तान को 39 रनों से हराया था। पाकिस्तान की टीम 288 रनों का पीछा कर रही थी। बल्लेबाजी करने के दौरान 14वें ओवर में पाकिस्तान का स्कोर एक विकेट के नुकसान पर 109 रन था। सोहेल ने इसी ओवर में वेंकटेश प्रसाद को कवर पर चौका मारा और फिर उनकी तरफ बल्ला दिखाकर बाउंड्री की तरफ इशारा किया। लेकिन प्रसाद ने अगली ही गेंद पर उन्हें क्लीनबोल्ड कर दिया।

वकार ने द ग्रेटेस्ट राइवलरी पोडकास्ट में कहा, ईमानदारी से कहूं तो जिस तरह सोहेल ने व्यवहार किया था उससे हम सभी हैरान थे। वह गेंद को अच्छे से हर जगह मार रहे थे उन्हें ऐसा करने की क्या जरूरत थी? मुझे लगता है कि वह दबाव में आ गए थे। उन्होंने कहा, वह शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे।

धोनी को खिलाड़ी पर भरोसा नहीं, तो समझो सब बेकार

क्रिकेट

धोनी युवा खिलाड़ियों में कॉन्फिडेंस भर देते हैंः एस. बद्रीनाथ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और सीनियर विकेटकीपर बल्लेबाज एमएस धोनी को युवाओं के मेंटॉर के तौर पर भी जाना जाता है। धोनी युवा खिलाड़ियों में ऐसा कॉन्फिडेंस भर देते हैं कि खिलाड़ी सहजरूप से प्रेशर को पीछे छोड़ उम्दा परफॉर्मेंस करने लगते हैं। धोनी सालों से टीम इंडिया और चेन्नै सुपरकिंग्स के लिए यह काम कर रहे हैं। धोनी के साथ आईपीएल में चेन्नै सुपरकिंग्स की ओर से खेल चुके एस. बद्रीनाथ धोनी को थोड़ा और बेहतर समझते हैं।

बद्रीनाथ ने कहा कि अगर किसी खिलाड़ी में धोनी को क्षमता नजर आ गई तो फिर वह उसे खुद को साबित करने के लिए एक्स्ट्रा टाइम देते हैं। बद्रीनाथ ने बातचीत में बताया, अगर किसी खिलाड़ी के

टैलंट पर धोनी को विश्वास हो जाए तो वह उसे खुद को साबित करने का भरपूर मौका देते हैं। लेकिन अगर धोनी यह मान लें कि किसी खिलाड़ी में कुछ खास नहीं है तो फिर भगवान भी आकर धोनी को उसके पक्ष में बात करें तो भी उसका फायदा नहीं है।

धोनी की कप्तानी में आईपीएल खेलने वाले बद्रीनाथ ने कहा, धोनी हमेशा यह महसूस करते हैं कि खिलाड़ियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है और ज्यादातर समय मेरी भूमिका यही होती थी कि मैं टीम को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकालूं।

उन्होंने बताया, मेरी भूमिका मिडल ऑर्डर में थी। धोनी का सबसे मजबूत पक्ष यही था कि वह खिलाड़ियों को एक्स्ट्रा मौका देते हैं। अगर धोनी का लगता है कि बद्री अच्छा है, तो बस। बद्री वहां होगा। एक बार उन्हें भरोसा हो जाए कि यह सही है, तब वह प्रक्रिया के साथ आगे बढ़ते हैं। वह कहते हैं, मैं (धोनी) उसे मौका दूंगा, उसे खुद को साबित करने दो। बद्री ने बताया, और अगर ऐसे ही धोनी को यह भरोसा हो गया कि आप उतने अच्छे नहीं हैं, तब भगवान भी आपकी मदद नहीं कर सकता। उनका अपना माइंडसेट है और वह उस पर ही भरोसा करते हैं, फिर चाहे जो हो। धोनी की कप्तानी की तारीफ करते हुए बद्रीनाथ ने कहा कि उनकी एक खासियत यह भी है कि टीम चाहे जीते या हारे। लेकिन वह टीम का माहौल एक सा बनाए रखते हैं।

मुझे उम्मीद नहीं थी एमएस धोनी मुझे कप्तानी के लिए कहेंगेः गांगुली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। महेंद्र सिंह धोनी से प्रभावित हुए बिना कौन रह सकता है। फिर चाहे वह सौरभ गांगुली ही हों, जिन्होंने टीम इंडिया में धोनी को अपनी जगह पक्की करने का अपनी कप्तानी में भरपूर मौका दिया था। फिर वक्त ने करवट ली और गांगुली टीम की कप्तानी भी छिनी और वह टीम से भी बाहर हो गए। लेकिन चौंपियन दादा ने चौंपियन वाले अंदाज में एक बार फिर वापसी की और फिर वह 2008 तक लगातार क्रिकेट खेले। मौजूदा बीसीसीआई अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान सौरभ गांगुली हाल ही में टीम इंडिया के टेस्ट ओपनिंग बल्लेबाज मयंक

रोक नहीं पाए आंसू, कहा अधिक सजग होने की जरूरत

अग्रवाल से बीसीसीआई टीवी के खास कार्यक्रम श्ओपन नेट्स विद मयंकश पर रू–ब–रू हुए। इस मौके पर गांगुली ने धोनी के हैरानी भरे फैसले और अपने विदाई टेस्ट मैच को याद किया।

गांगुली ने अपने करियर का आखिरी टेस्ट मैच नागपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। इस टेस्ट मैच में एमएस धोनी टीम इंडिया की कमान संभाल रहे थे। इस सीरीज के लिए अनिल कुंबले कप्तान थे। लेकिन नागपुर टेस्ट से पहले दिल्ली टेस्ट में उनका हाथ चोटिल हो गया और कुंबले इस उसी टेस्ट से संन्यास ले लिया। करियर के आखिरी लम्हों में गांगुली भी धोनी के फैसले को देखकर हैरान रह गए। उन्होंने मैच के अंतिम क्षणों में गांगुली को ही टीम की कप्तानी करने को कहा। धोनी चाहते थे कि सब गांगुली को एक कप्तान के तौर पर पहचानते हैं और उन्हें उसी अंदाज में टीम की कप्तानी करते हुए क्रिकेट को अलविदा कहना चाहिए।

मैच में कुछ ही ओवर बाकी थे कि धोनी ने कप्तानी की मशाल गांगुली को देने का निर्णय किया। गांगुली ने कहा, यह मेरे लिए हैरानी भरा था। मैंने ऐसी उम्मीद नहीं की थी। लेकिन एमएस धोनी एमएस धोनी ही हैं। वह हमेशा अपनी कप्तानी की ही तरह हैरानियों भरे हैं। हम टेस्ट मैच जीतने वाले थे और मेरे दिमाग में रिटायरमेंट चल रही था।

विंबलडन रद्द, फिर भी 620 खिलाड़ियों में बंटेंगे 1.25 करोड़ डॉलर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) विंबलडन। कोरोना वायरस महामारी के कारण रद्द होने के बावजूद विंबलडन 620 खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि के रूप में 1.25 करोड़ डॉलर बांटेगा। ऑल इंग्लैंड क्लब ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। बीमा प्रदाता कंपनी के साथ सलाह मश्विरे के बाद क्लब के अधिकारियों ने कहा कि मुख्य ड्रॉ में भाग लेने वाले 256 में से प्रत्येक खिलाड़ी को 31,000 डॉलर की राशि दी जाएगी।

224 खिलाड़ी क्वॉलिफाइंग में भाग लेते, उन्हें प्रत्येक को 15,600 डॉलर की राशि मिलेगी। ऑल इंग्लैंड क्लब के मुख्य कार्यकारी रिचर्ड लुईस ने कहा, 'चौंपियनशिप के रद्द होने के तुरंत बाद हमने अपना ध्यान इस बात पर लगा दिया कि हम उन लोगों की कैसे मदद कर सकते हैं जो विंबलडन को आयोजित करने में सहायता करते हैं।' इसके साथ ही 120 खिलाड़ी युगल स्पर्धाओं में हिस्सा लेते। प्रत्येक को 7,800 डॉलर, व्हीलचेयर स्पर्धा में भाग लेने वाले 16 खिलाड़ियों को 7,500 डॉलर और 'क्वैड' व्हीलचेयर स्पर्धा में भाग लेने वाले चार खिलाड़ियों को 6,200 डॉलर दिए जाएंगे। इस फैसले की लोग तारीफ कर रहे हैं। टेनिस फैन्स ने इसे ऐतिहासिक फैसला बताया है।

न्यूज डायरी

मैं वनडे क्रिकेट में वापसी करना चाहता हूं: अजिंक्य रहाणे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट उपकप्तान अजिंक्य रहाणे ने वनडे क्रिकेट में वापसी करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि टीम की जरूरतों के हिसाब से वह किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी करने को तैयार हैं। रहाणे इससे पहले वनडे में ओपनिंग और मध्यक्रम, दोनों में भारत के लिए बल्लेबाजी कर चुके हैं। लेकिन बल्ले से शानदार प्रदर्शन के बावजूद उन्हें 2018 में टीम से बाहर कर दिया गया था। इसके बाद से ही वह टीम में जगह बनाने के लिए संघर्ष करते आ रहे हैं। रहाणे ने क्रिकइंफो के क्रिकेटबाजी कार्यक्रम में कहा, मैंने हमेशा ओपनिंग में (वनडे में) बल्लेबाजी का आनंद लिया है। लेकिन अगर नंबर मुझे नंबर 4 पर भी बल्लेबाजी करने का मौका मिलता है तो कोई दिक्कत नहीं है। यह ऐसा इसलिए है क्योंकि मैंने दोनों स्थान पर बल्लेबाजी का आनंद लिया है। उन्होंने कहा, एक बार जब आप नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने लगते हैं तो फिर पारी की शुरूआत करना मुश्किल होता है।

सलीम मलिक मुझे बैट से मारना चाहते थेः किरण मोरे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता हमेशा से ही अपने चरम पर रही है। जब भी इन दोनों टीमों के बीच कोई मैच होता था तो खिलाड़ी क्रिकेट के अलावा माइंड गेम खेलने के लिए स्लेजिंग का भी सहारा लेते थे। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज किरण मोरे भी इसमें पीछे नहीं थे। मोरे 1989 की सीरीज को याद करते हुए बताया कि वह सलीम मलिक को उन्हीं की भाषा में जवाब देने की कोशिश कर रहे थे, जिसके बाद मलिक ने उन्हें धमकाया था और वह उन्हें बैट से मारना चाहते थे। मोरे ने एक पोडकास्ट कार्यक्रम श्द ग्रेटेस्ट राइवलरीश में उस सीरीज को याद करते हुए बताया, श्विश्व क्रिकेट में भारत–पाकिस्तान की प्रतिद्वंद्विता जगजाहिर है। इस कड़ी प्रतिद्वंद्विता के चलते ही स्टेडियम खचाखच भरे रहते हैं और मैदान पर भी खिलाड़ियों में गरमागरमी देखने को मिलती है। मैंने सलीम मलिको को कराची टेस्ट में स्लेज किया था और वह मुझे बैट से मारने के लिए आ गए।

कोविड– 19 महामारी के बीच सीपीएल टी20 लीग भी 18 अगस्त से शुरू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। घातक महामारी कोविड– 19 ने पूरी दुनिया को घरों में ही कैद कर लिया था। लेकिन अब धीरे–धीरे जीवन पटरी पर लौटने लगा है। भले ही इस बीमारी का वजूद अभी भी पहले की तरह बना हुआ है लेकिन अब सावधानी बरतते हुए एक बार फिर सबकुछ लौटने लगा है। क्रिकेट की बात करें तो इंग्लैंड में वेस्ट इंडीज की टीम के साथ टेस्ट सीरीज का आगाज हो चुका है। इस बीच टी20 लीग भी शुरू होने की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। 18 अगस्त से कैरेबियाई प्रीमियर लीग की शुरुआत तय है। कोरोना वायरस के बाद सीपीएल दुनिया की ऐसी पहली फ्रैंचाइजी टी20 लीग होगी, जो सबसे पहले वापसी करेगी। 34 दिन चलने वाले इस टूर्नमेंट का फाइनल 20 सितंबर को खेला जाएगा। इस बार यह पूरी लीग त्रिनिदाद ऐंड टोबैगो में खेली जाएगी, ताकि इस खिलाड़ियों और टीम के स्टाफ को कोरोना वायरस के संक्रमण के खतरे से बचाया जा सके।

बेन स्टोक्स ने दिल्ली के इस डॉक्टर को खास अंदाज में किया सलाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेला जा रहा पहला टेस्ट मैच दिल्ली के डॉक्टर विकास कुमार के लिए भी खास लम्हा है। विकास पिछले साल ही अपनी मेडिकल ट्रेनिंग के लिए इंग्लैंड चले गए थे और इन दिनों वह एनएचएस हॉस्पिटल में कोविड– 19 के मरीजों की जिंदगी बचाने के लिए सबसे आगे खड़े होकर कोरोना से जंग लड़ रहे हैं। साउथैम्प्टन में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच से पहले बेन स्टोक्स के एक सराहनीय कदम ने डॉ. विकास को भी भावुक कर दिया। साउथैम्प्टन के एजिस बाउल मैदान पर मैच से पहले जब स्टोक्स टीम के प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा ले रहे थे तो उनकी जर्सी पर डॉ. विकास कुमार का नाम लिखा हुआ था।